बनते ही उखड़ने लगा विदिशा-सागर हाईवे

खास बातें

- पहली बारिश से पहले ही खुली निर्माण की पोल
- करोड़ों की लागत से बन रहे मिर्जापुर ब्रिज हाईवे के किनारे उखड़ने लगे

नवभारत न्यूज

विदिशा 6 अगस्त, करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हो रहा विदिशा-सागर हाईवे निर्माण पूरा होने से पहले ही सवालों के घेरे में आ गया है.हाईवे के कई हिस्सों में सड़क के किनारे उखड़ते नजर आ रहे हैं. जगह-जगह गिट्टी बिखरी हुई है और सतह कमजोर दिखाई दे रही है.हैरानी की बात यह है कि अभी मानसून की तेज बारिश भी नहीं हुई है, लेकिन सड़क की मौजूदा स्थिति देखकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं.

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पहली तेज बारिश से पहले ही सड़क का यह हाल है तो आने वाले समय में भारी बारिश और भारी वाहनों के दबाव के बीच सड़क की स्थिति और खराब हो सकती है.इससे वाहन चालकों के लिए हादसों का खतरा भी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है.वाहन चालक है अरविंद रघुवंशी ने निर्माण कार्य पर सवाल उठाते हुए कहा, करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क अगर पहली बारिश से पहले ही उखड़ने लगे तो यह बेहद गंभीर मामला है. इससे साफ है कि निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होते हैं.पूरे निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए.यदि जांच में घटिया सामग्री या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि जनता के पैसे का दुरुपयोग न हो और लोगों को टिकाऊ सड़क मिल सके.

गिट्टी बिखरी, गुणवत्ता पर उठे सवाल, जांच की मांग तेज

स्थानीय नागरिकों ने भी मांग की है कि संबंधित विभाग मौके पर निरीक्षण कर सड़क की गुणवत्ता की जांच कराए और जहां निर्माण में खामियां हैं. जगह-जगह गिट्टी बिखरी हुई है और सतह कमजोर दिखाई दे रही है. वहां तत्काल सुधार कराया जाए.लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि सड़क शुरुआत में ही उखड़ने लगे तो यह निर्माण एजेंसी और निगरानी व्यवस्था दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करता है.

क्या कहते हैं परियोजना संचालक

इस संबंध में परियोजना संचालक एनएचएआई सिद्धार्थ सिंघई का कहना साइड फ्लो का काम अभी होना है. बारिश के कारण काम रूका है. अक्टूबर नवम्बर में काम पूरा कर लिया जायेगा.

मनरेगा कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप, जनपद सदस्य धरने पर बैठे आरोपों को सरपंच ने बताया निराधार

नवभारत न्यूज

विदिशा 6 अगस्त, जनपद पंचायत विदिशा की ग्राम पंचायत ठर्र में मनरेगा के तहत कराए गए विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं के विरोध में गुरुवार को जनपद सदस्य किशनलाल कुशवाहा जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर नीमताल पर धरने पर बैठ गए.

उन्होंने आरोप लगाया कि कागजों पर कूप निर्माण दिखाकर राशि निकाली गई, फर्जी मस्टर रोल बनाए गए और एक ही परिवार को नियमों के विरुद्ध दोहरा लाभ दिया गया.साथ ही आरसीसी नाली व सड़क निर्माण में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया. उनका कहना है कि 1 जून से कलेक्टर, जिला पंचायत और जनपद पंचायत सीईओ को शिकायतें देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई या लिखित जवाब नहीं मिला. उन्होंने लिखित जांच आश्वासन मिलने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी. सूचना पर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि शिकायत की जांच पहले से जारी है तथा नए तथ्यों को भी जांच में शामिल कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

श्रीमद्भागवत कथा कृष्ण भक्ति और आत्मिक मुक्ति का मार्ग- संतोष शास्त्री

नवभारत न्यूज

विदिशा. स्वर्णकार कॉलोनी स्थित विनायक बैंक्विट हॉल में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक संतोष शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत का श्रद्धापूर्वक श्रवण मनुष्य को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आत्मिक मुक्ति का मार्ग दिखाता है. उन्होंने राजा परीक्षित का उदाहरण देते हुए कहा कि सात दिन तक कथा श्रवण से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई. शास्त्री ने कहा कि वास्तविक मुक्ति मन की होती है, जो श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से सांसारिक मोह-माया से मुक्त होकर भगवान के चरणों में स्थिर होती है. उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण की लीलाओं में सभी रस समाहित हैं और कथा का उद्देश्य प्रेम, समर्पण व आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कराना है. कथा में विधायक मुकेश टंडन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

लूट और हत्या के प्रयास के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

- सर्राफा व्यापारियों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन
- हाट बाजार जाने वाले व्यापारियों की सुरक्षा बढ़ाने और शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने की उठाई मांग

नवभारत न्यूज

विदिशा. बड़ा सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने बुधवार को पिपलधार हाट से लौटते समय सर्राफा व्यवसायी संजय कैलाश सोनी एवं उनके पुत्र यश सोनी के साथ हुई 40 लाख रुपये से अधिक की लूट और हत्या के प्रयास की घटना के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा.व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक से चर्चा करते हुए घटना की गंभीरता पर चिंता व्यक्त की और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की. इस पर पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि मामले के खुलासे के लिए पुलिस की 8 से 9 विशेष टीमें गठित की गई हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं.ज्ञापन में सर्राफा व्यापारियों ने कहा कि विदिशा एवं आसपास के क्षेत्रों के व्यापारी प्रतिदिन विभिन्न हाट बाजारों में व्यापार करने जाते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर लगातार खतरा बना रहता है. उन्होंने व्यापारियों को सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक हाट बाजार में नियमित पुलिस गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी की.इस दौरान राजेश सर्राफ, राजेश सोनी खुबाल, रूपेश गर्ग, लोकेश चौधरी, पवन सोनी, राजकुमार गर्ग, किशोर सोनी, राजी जैन, मुकेश सोनी, पुनीत जैन, राहुल चौधरी, नीलू सोनी, महेश सोनी, प्रशांत सोनी, नीरज सोनी सहित बड़ी संख्या में सर्राफा व्यापारी उपस्थित रहे.

चलती पिकअप में लटककर सफर, हाईवे पर मौत को दे रहे दावत

- विदिशा-सागर हाईवे पर तेज रफ्तार पिकअप के पीछे और किनारों पर लटके दिखे युवक
- ओवरलोडिंग का खतरनाक नजारा कैमरे में कैद

नवभारत न्यूज

विदिशा. विदिशा-सागर हाईवे पर यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए एक खतरनाक नजारा सामने आया है. तेज रफ्तार से दौड़ रही एक पिकअप में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जबकि कई युवक वाहन के पीछे और दोनों किनारों पर लटककर सफर करते दिखाई दिए. यह पूरा दृश्य कैमरे में कैद हो गया.

चलती पिकअप में इस तरह जान जोखिम में डालकर सफर करना किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है. अचानक ब्रेक लगने, वाहन के असंतुलित होने या किसी अन्य वाहन से टक्कर होने की स्थिति में पीछे और किनारों पर लटके लोगों की जान पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है.स्थानीय लोगों का कहना है कि विदिशा-सागर हाईवे पर ओवरलोड पिकअप और मालवाहनों में सवारियां ढोने का सिलसिला लंबे समय से जारी है. इसके बावजूद यातायात पुलिस और संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ऐसे वाहन बेखौफ सड़कों पर दौड़ रहे हैं. लोगों ने नियमित जांच अभियान चलाकर ऐसे वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके.

एआईसीसी की संगठनात्मक समीक्षा में विदिशा जिला कांग्रेस को मिला प्रदेश के अग्रणी जिलों में स्थान

नवभारत न्यूज

विदिशा. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित संगठनात्मक समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश के विदिशा जिला कांग्रेस को संगठनात्मक गतिविधियों एवं सक्रिय कार्यप्रणाली के आधार पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में स्थान मिलने पर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा.

उपलब्धि की जानकारी मिलते ही जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी जताई और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी. इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया.जिलाध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने कहा कि यह सम्मान जिले के प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा का परिणाम है. उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है और भविष्य में भी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा.उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विदिशा जिला कांग्रेस जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगी.इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे. सभी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया.

बच्चों से करा रहे शराब की तस्करी

नवभारत न्यूज

विदिशा, शराब माफियाओं ने शराब तस्करी का नया तरीका खोज निकाला है. पुलिस और आबकारी से बचने के लिये तस्करों ने बच्चों को इस्तमाल करना शुरू कर दिया है. ऐसा ही मामला गुरूवार को सामने आया जब एक नाबालिग बच्चे से करीब डेढ पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गयी है.महंगी ब्रांड की इस शराब को कहां पर ठिकाने लगाया जा रहा है इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस जुटा रही है.

डीएफओ बंगले के सामने सड़क किनारे मिली 10-15 दिन की बालिका

- सशक्त वाहिनी की बालिकाओं की सतर्कता से बची नवजात की जान
- जिला अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती, बालिकाओं की तत्परता की सराहना

नवभारत न्यूज

विदिशा. सशक्त वाहिनी की बालिकाओं की सतर्कता और मानवीय संवेदनशीलता से गुरुवार को एक नवजात बालिका का जीवन सुरक्षित बच गया. परेड ग्राउंड जाते समय डीएफओ बंगले के सामने सड़क किनारे अमृता कुशवाहा, वैष्णवी शर्मा और कंचन अहिरवार की नजर एक नवजात बालिका पर पड़ी. तीनों ने तत्काल बालिका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचना दी.सूचना मिलते ही संरक्षण अधिकारी अनुज जैन और सरिता शुक्ला मौके पर पहुंचे और बालिका को अपने संरक्षण में लिया. इसी दौरान वहां से गुजर रहे पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने भी संवेदनशीलता दिखाते हुए अपनी गाड़ी से नवजात को जिला अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया.

जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बताया कि बालिका लगभग 10 से 15 दिन की है और पूरी तरह स्वस्थ है. फिलहाल उसे एसएनसीयू वार्ड में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है. आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उसे शिशु गृह में सुरक्षित संरक्षण दिया जाएगा.जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता कांसवा ने भी अस्पताल पहुंचकर बालिका के स्वास्थ्य की जानकारी ली और समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. महिला एवं बाल विकास विभाग ने नवजात बच्चों को फेंके नहीं, हमें दें अभियान के तहत पालना केंद्रों का उपयोग करने की अपील की. विभाग ने अमृता कुशवाहा, वैष्णवी शर्मा और कंचन अहिरवार की सराहना करते हुए उनके कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया.

लाखों खर्च, मरीज और परिजन सीढ़ियां चढ़ने मजबूर

- मेंटेनेंस के नाम पर हर साल 12 लाख रुपए से अधिक भुगतान
- जिला अस्पताल की अधिकांश लिफ्ट बंद, मरीजों की बढ़ी परेशानी

नवभारत न्यूज

विदिशा. जिला अस्पताल में लिफ्टों के रखरखाव पर हर साल 12 लाख रुपए से अधिक खर्च किए जाने के बावजूद अधिकांश लिफ्टें बंद पड़ी हैं. चार मंजिला अस्पताल में लगी सात लिफ्टों में से कई लंबे समय से खराब हैं, जिससे मरीजों, बुजुर्गों और उनके परिजनों को सीढ़ियां चढ़कर वार्डों तक पहुंचना पड़ रहा है.

अस्पताल में प्रतिदिन 400 से 600 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें मूलभूत सुविधा तक नहीं मिल पा रही.जानकारी के अनुसार लिफ्टों के मेंटेनेंस का ठेका सतना की शिवाय एसोसिएट्स कंपनी के पास है. लिफ्ट नंबर 5 और 6 बंद हैं, जबकि लिफ्ट नंबर 7 का दरवाजा अपने आप खुल-बंद हो रहा है. हाल ही में इसी लिफ्ट में रात के समय दो लोग फंस गए थे. अन्य लिफ्टें भी रुक-रुक कर चल रही हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है.अस्पताल प्रबंधन ने कंपनी को कई बार नोटिस जारी किए हैं, लेकिन व्यवस्था में अब तक कोई खास सुधार नहीं हुआ है. मरीजों और परिजनों का कहना है कि लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद लिफ्ट सुविधा ठप रहने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लोगों ने लिफ्टों की तत्काल मरम्मत और ठेका कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.बताया गया कि पेटी पर कांट्रेक्ट दे रहा है. 6 माह से कोई मेनटेनेंस नहीं हुआ.अस्पताल प्रबंधन करीब 5 बार नोटिस जारी कर चुका है.

ट्रेन चपेट में आने से युवक की मौत

नवभारत न्यूज

विदिशा, गुरूवार की सुबह बंद पड़े सोंठिया फाटक की अप लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से एक 32 वर्षीय युवक की मौत हो गयी.मौके पर जीआरपी पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पीएम के लिये पहुंचा दिया. युवा समाजसेवी आदर्श तिवारी ने बताया कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था जो कुछ दिन पहले अंडर ब्रिज के पास घायल अवस्था में मिला था. युवक मंडी बामोरा के आसपास रहने वाला बताया जा रहा है.

फायदा 10 अंकों का डिजिटल पता बताएगा घर की सटीक लोकेशन,डिलीवरी और आपातकालीन सेवाओं को मिलेगा फायदा

न कोड को मिलेगा डिजिटल विकल्प, डाक विभाग ने शुरू की डिजीपिन प्रणाली

नवभारत न्यूज

विदिशा, भारतीय डाक विभाग ने पारंपरिक पिन कोड व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए डिजीपिन नामक नई डिजिटल एड्रेस प्रणाली शुरू की है. यह 10 अंकों का जियोकोड आधारित डिजिटल पता है, जो किसी घर, दुकान या अन्य स्थान की सटीक भौगोलिक लोकेशन बताने में सक्षम है.

अब तक उपयोग में आने वाला 6 अंकों का पिन कोड किसी बड़े क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता था, जबकि डिजीपिन किसी स्थान की लगभग 4 मीटर तक की सटीक पहचान कर सकता है. इससे डाक वितरण, ई-कॉमर्स पार्सल की डिलीवरी और आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस एवं अग्निशमन दल को सही स्थान तक पहुंचने में आसानी होगी.विशेषज्ञों के अनुसार, डिजीपिन का सबसे अधिक लाभ उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को मिलेगा, जहां स्पष्ट पते या मकान नंबर उपलब्ध नहीं होते. इससे डिलीवरी सेवाओं की सटीकता और गति दोनों में सुधार होने की उम्मीद है.

ऐसे जानें अपना डिजीपिन

अपना डिजीपिन जानने के लिए भारतीय डाक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं. https://dac.indiapost.gov.in/mydigipin/home वेबसाइट खुलने के बाद अपने घर या इच्छित स्थान को मानचित्र पर चुनें. इसके बाद उस स्थान का 10 अंकों का डिजीपिन स्क्रीन पर दिखाई देगा. इस डिजिटल कोड का उपयोग भविष्य में पता लिखने और विभिन्न सेवाओं के लिए किया जा सकेगा.

डाक विभाग ने यह प्रणाली आईआईटी हैदराबाद, राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र और इसरो के सहयोग से विकसित की है. विभाग का दावा है कि डिजीपिन ऑफलाइन उपयोग के लिए भी उपयुक्त है और भविष्य में देश की डिजिटल एड्रेसिंग प्रणाली को अधिक सटीक और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

पोस्टमेप डाक डिलेवरी पर चल रहा काम-अधीक्षक

तूफान सिंह भील अधीक्षक डाक घर ने बताया कि पोस्टमेप डाक डिलेवरी मकान की मैपिंग से करायी जायेगी. अभी उस पर काम चल रहा है.अभी चालू नहीं हुआ है. लेकिन भविष्य में इससे डिलेवरी भेजने वाले और डिलेवरी लेने वाले दोनों लोगों की मैंपिंग होगी और दोनों को पता रहेगा.